गुग्लिएल्मो मारकोनी

(1874 - 1937)

रेडियो आविष्कारक

जब गुग्लिएल्मो छोटा था तो वो वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रेंक्लिन के विद्युत् प्रयागों की नक़ल उतारकर अपने इतालवी पिता को काफी परेशान करता था.

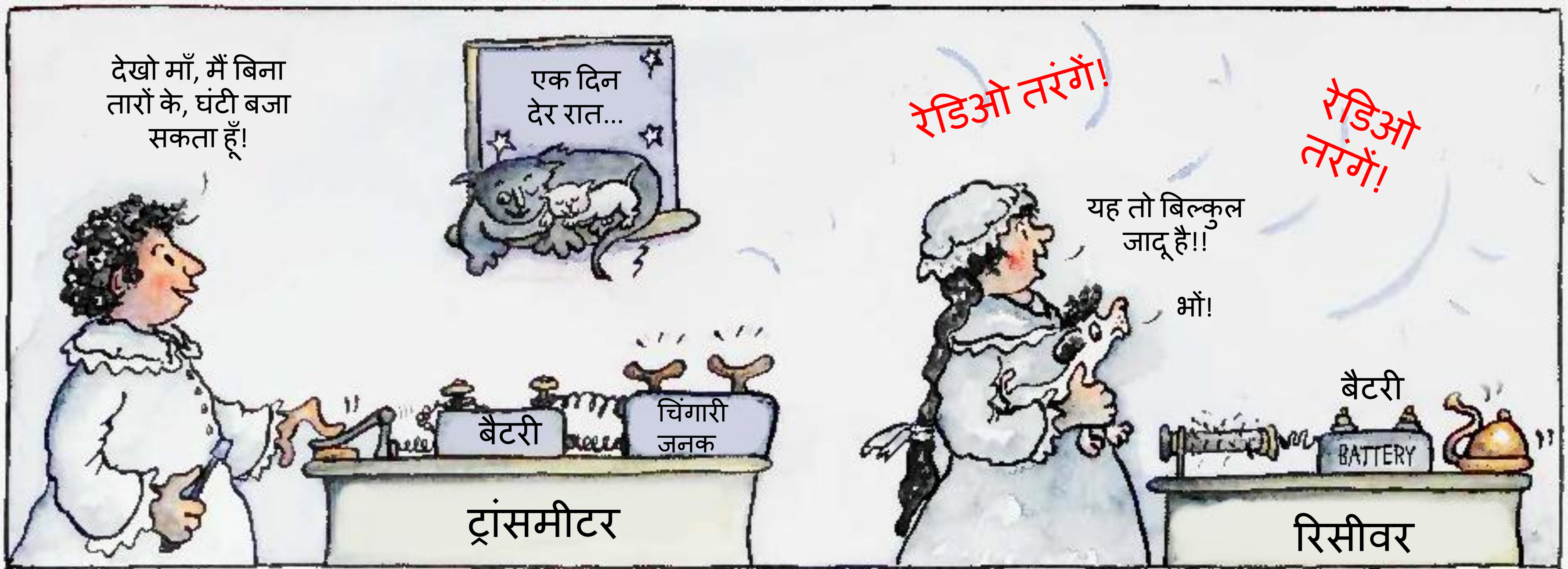

फिर उसने हेनरिच हर्ट्ज़ के विद्युत् चुम्बकीय तरंगों के प्रयोगों के बारे में पढ़ा. उससे गुग्लिएल्मो को लगा कि वो तरंगों के जरिए, ट्रांसमीटर और रिसीवर के बीच, बिना किसी तार के सन्देश भेज सकता था. वो हर्ट्ज़ के विचारों से एकदम अविभूत हो गया और उसने अपने घर में कई बार उन प्रयोगों को दोहराया.

उसका भाई, अल्फोंसो उसकी मदद करता था. वो बगीचे में रिसीवर लेकर इंतज़ार करता, और जब उसे सन्देश मिलता तो फिर वो रूमाल हिलाकर दुछत्ती पर खड़े गुग्लिएल्मो को उसके बारे में बताता.

जल्द ही गुग्लिएल्मो, लम्बी दूरी तक अल्फोंसो को सन्देश भेजने लगा.

गुग्लिएल्मो ने इटली के एक पोस्ट-ऑफिस को अपने प्रयोग दिखाए. पर उन्होंने उनमें कोई रूचि नहीं दिखाई.

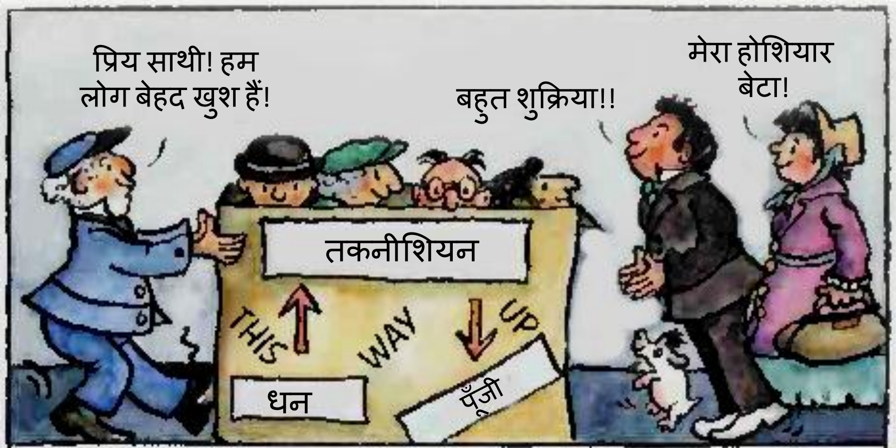

उसके बाद गुग्लिएल्मो इंग्लैंड चला गया जहाँ के डाक-विभाग ने उसे धन के साथ-साथ तकनीकी सहायता भी दी.

गुग्लिएल्मो के प्रयोग सफल रहे. 1897 में उसने वायरलेस टेलीग्राफ एंड सिग्नल कंपनी स्थापित की. 1898 तक कंपनी रेडियो बनाने लगी. 1909 में जब "रिपब्लिक" जहाज़ एक अन्य जहाज़ से टकराया तो रेडिओ संचार की मदद से लगभग सभी 1700 मुसाफिरों की जान बचा ली गई.

गुग्लिएल्मो जब इटली लौटा तो उसका एक हीरो जैसे स्वागत हुआ! जल्द ही रेडियो तरंगों के नए-नए उपयोग खोजे गए. उनके पीछे "वाल्व" थे जो रेडियो तरंगों को बारीकी से खोज कर उनका बेहतर तरीके से संचार करते थे. 1920 में ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन BBC ने रेडियो पर मनोरंजक कार्यक्रम ब्रॉडकास्ट करना शुरू किए. पर गुग्लिएल्मो उनसे बिल्कुल खुश नहीं हुआ, क्योंकि वो अपने अविष्कार वायरलेस रेडियो से सिर्फ समुद्र में फंसे लोगों की जान बचाना चाहता था. रेडियो के बाकी उपयोग उसे एकदम फ़िज़ूल लगते थे.